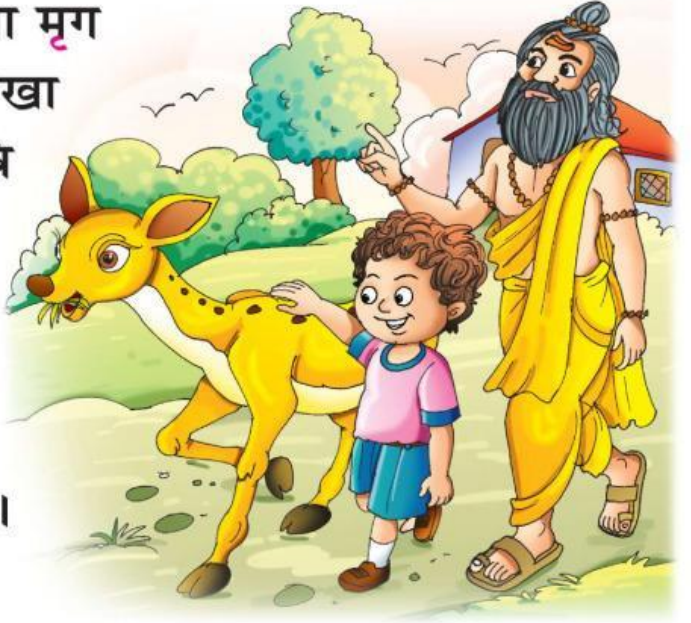


पढ़िए और समझिए-

ऋषभ आया, मृग लाया। अमृता मृग पकड़। मृग छिप गया। वह तृण खा रहा था। तभी ऋषि आया। ऋषि का नाम कृपाचार्य था। उनका हृदय दयालु था। कृति उठा। कृपाण ला। घृणा मत कर। नृप आ गया। मातृ-पितृ का कहना मान। मृदुभाषी व कृतज्ञ बना। वृषभ की आकृति बना।



करके सीखो

1. चित्रों को पहचानकर शब्दों को पूरा कीजिए-



— षक



— ग



— क्ष



— षभ

2. वर्णों में 'ऋ' की मात्रा जोड़कर शब्द बनाइए-

न + ऋ + प = _____

क + ऋ + पा + ल = _____

म + ऋ + त = _____

आ + क + ऋ + ति = _____

त + ऋ + ण = _____

क + ऋ + पा + ण = _____